

न्यायालय भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी, कोटा

आज्ञा-पत्र

उनवान..... कुलशर्मा आई बनाम सजाऊ माल
 किस्म मुकदमा धारा-225 अपील संख्या 2025/120
 अभिभाषक अपीलान्त पन्ना मोहन (1प) अभिभाषक रेस्पोंडेन्ट

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील मे जारी हुए
4.11.25	<p>सजावली पेय हुई। अभिभाषक अपीलान्त (उपस्थित) रेस्पोंडेन्ट जज की तामील हेतु अभिभाषक अपीलान्त को निर्दिष्ट अवसर दिया जाकर सजावली दिनांक 9/12/25 को माउलिन कार्यवाही हेतु पेय है।</p> <p style="text-align: center;">(दीप्ति रामचन्द्र मीना) भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी, कोटा</p>	9.12.25
9.12.24	<p>सजावली के पेय हुई। अभिभाषक अपीलान्त एवं अपीलान्त को एक-एक कर तीन-तीन बार आवेजें लगवायीं, फिर उन्की खोर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। हमने सजावली का भण्डारण किया गया। यह सजावली दिनांक 10.01.2025 को क्लफ्ट हाजरी एवं अफ्त पैरवी में खारिज की गयी। दिनांक 23.6.25 को पुनः नम्बर 14 के तहत दर्ज रजिस्टर की गयी। अति. अपीलान्त डाटा आदिनांक तब रेस्पों. की तामील जरिफे खारिज हो रही करवायी गयी। अतः सजावली पुनः क्लफ्ट हाजरी एवं अफ्त पैरवी में खारिज की जाती है। सजावली केसल शुक्रा सो 3 र बाद तामील तामील दाखिल दफ्तर है।</p> <p style="text-align: center;">(दीप्ति रामचन्द्र मीना) भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी, कोटा</p>	अज्ञात



- 15- नन्द किशोर पुत्र अनार सिंह आयु 22 साल
- 16- लाड बाई पुत्र अनार आयु 21 साल
निवासीगण महुआखेडा हाल निवासी- रामपुरिया असनावर तहसील
झालरापाटन जिला झालावाड
- 17- शाखा प्रबन्धक महोदय, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा खानपुर
- 18- राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार खानपुर जिला झालावाड
—रेस्पोंडेन्टस

अपील बनाराजगी निर्णय एवं डिक्री दिनांक 13.11.2019

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी खानपुर जिला झालावाड

अपील अन्तर्गत 223 आर.टी.एक्ट

मान्यवर,

अपीलांट निम्न कारणों से अपील प्रस्तुत करती है-

- 1- यह कि अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय एवं डिक्री खिलाफ कानूनन एवं कानून के सर्वमान्य सिद्धान्तों के विपरित होने से निरस्त किए जाने योग्य है।
- 2- यह कि अधीनस्थ न्यायालय ने इस तथ्य पर गौर नहीं किया कि वादी नं 3 अपीलांटा का भी वाद ग्रस्त आराजी मे हक व अधिकार निहित था किन्तु अधीनस्थ न्यायालय ने केवल मात्र वादी नं 1 का 1/126 हिस्सा व वादी नं 2 को 1/126 हिस्से का खातेदार टीनेन्ट घोषित किया जबकि अपीलांटा मृतक अनार सिंह की विवाहिता पत्नि होने के कारण अपीलांटा का भी हिस्सा उपरोक्त आराजीयात मे होने से अपीलांटा को खातेदार टीनेन्ट घोषित किया जाना आवश्यक था ऐसा न कर अधीनस्थ न्यायालय ने कानून के सर्व मान्य सिद्धान्तों की अवहेलना की है।
- 3- यह कि अपीलांटा के पति अनार सिंह घर से अचानक लापता हो गये थे जिसकी आज दिन तक खबर नहीं है यदि अनार सिंह जीवित होते तो स्वाभाविक रूप से उनके बारे मे सुना व देखा होता इतना अन्तराल निकल जाने के बाद उनके जीवित होने की कोई संभावना नहीं रही है इस कारण